डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 48 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 27 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

❊ उठावना ❊

मेरे भतीजे व स्व. जीतमल जी डोसी के पुत्र, शांतिलाल, स्व. सुजानमल, स्व. विनोदकुमार, दिलीपकुमार, स्व. राजकुमार राजेश डोसी के भाई एवं सीए प्रतिक डोसी के पिताजी, मनिकेश के दादाजी श्री प्रकाशचंद्र जी डोसी (कर सलाहकार) का निधन 26 नवंबर 2023 रविवार को हो गया है। जिनका उठावना 27 नवंबर 2023 सोमवार को प्रात: 10.30 बजे संजय गांधी उद्यान नई आबादी मंदसौर पर रखा गया है।

बैठक-प्रतिदिन की बैठक निज निवास तिरुपती नगर, रेल्वे स्टेशन रोड, मंदसौर पर शाम 7 बजे से 9 बजे तक रहेगी।

❊❊❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊❊❊

जिनेद्र कुमार डोसी, मंदसौर

फर्म-डोसी एंड कम्पनी, दैनिक पद्मिनी टाइम्स

फिर से छला गया किसान..!

प्रचार-प्रसार के शोर से भी गायब रही योजनाओं की राशि

2018 के पहले के भुगतान का अभी भी इंतजार

मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव के लिए मतदान और परिणाम से पहले फिर से अन्नदाता राजनीति के केंद्र में है। पर, पिछले साल चुनाव के पूर्व की योजना के लाभ का इंतजार अब भी किसान कर रहे है। दोनों दलों की ओर से धुआंधार प्रचार किया गया। लेकिन, चुनाव प्रचार के शोर के बीच बकाया राशि को लेकर आवाज नहीं दी। वर्ष 2018 के पहले की भावांतर भुगतान योजना की राशि अब तक नहीं मिली तो समर्थन मूल्य की बोनस की राशि भी बाकी है। सरकारों के बदलने के क्रम में जिले के किसान इसकी बाट जोह रहे है। वहीं फसल बीमा की विसंगतिया भी किसानों के लिए उलझन बनी हुई है। जिले में भावांतर का किसान पांच साल से तो समर्थन मूल्य पर गेहूं पर मिलने वाली बोनस राशि का तीन साल से इंतजार कर रहे है। जिला भी कृषि प्रधान है। ऐसे में यहां ऐसे किसानों की अधिक संख्या है जो सरकार की योजनाओं की जद में आते है।

जिले में रबी हो या खरीफ की फसल, हर बार प्राकृतिक प्रकोप से लेकर बीमारियों के कारण नुकसान हो रहा है। खरीफ सीजन की फसल भी अल्पवर्षा की भेंट चढ़ गई। कभी अति तो कभी कम बारिश से कभी रोगों के कारण इसमें उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इसके बाद भी शासन स्तर से राहत का किसान इंतजार कर रहे है। हर बार की तरह इस बार भी बारिश ने सोयाबीन में नुकसान किया है। वहीं पिछले सालों में भी भावांतर पर सोयाबीन की सरकारी खरीदी हुई। सोयाबीन की राशि का किसान पांच सालों से इंतजार कर रहे हैं तो समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के बाद बोनस राशि भी नहीं मिली तो फसल बीमा की विसंगतियां भी अपनी जगह बनी हुई है।

पुरानी योजनाओं की राशि अधर में...

किसानों को संबल देने वाली तमाम योजनाओं और आर्थिक संबल देने के लिए भावांतर से लेकर समर्थन पर बोनस जैसी घोषणाएं प्रदेश में हुई। लेकिन, किसानों को संबल देने वाली योजनाओं पर बकाया राशि पर अब तक किसी भी स्तर पर बात नहीं हो रही है। हालांकि किसान यह आस लगाए बैठे थे कि इस बार चुनाव वर्ष के दौर में लंबे समय से बकाया राशि का भुगतान होगा, लेकिन इस पर बात भी नहीं हुई। योजनाओं व राहत के बाद बदली सरकार तो बाकी रह गई राशि वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव से पहले अक्टूबर के दौर में भावांतर योजना में सोयाबीन की खरीदी चल रही थी। इसमें जिले में 44 हजार 410 किसानों ने 9 लाख 18 हजार 689 क्विंटल सोयाबीन बेची थी। इन किसानों को पात्रता के अनुसार राशि का पांच सालों बाद भी इंतजार है। लेकिन, इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में नई सरकार बनी। फिर कांग्रेस की सरकार बदली, इस फेर में राशि उलझ गई। इसके बाद कांग्रेस की सरकार के दौर में समर्थन मूल्य पर हुई गेहूं खरीदी में जिले के 24 हजार 313 किसानों ने गेहूं बेचा, उन्हें सरकार की घोषणा के अनुरुप 160 रुपए प्रति क्विंटल राशि मिलना थी। लेकिन, सरकार बदली तो जिले के इन किसानों को मिलने वाली 20 करोड़ 86 लाख 92 हजार 767 रुपए बकाया रह गए।

सुवासरा सीट पर पूरे प्रदेश की नजर...

नौ बार भाजपा तो पांच बार कांग्रेस ने हासिल की जीत

मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विस चुनाव को लेकर सुवासरा सीट के परिणाम पर पूरे प्रदेश की नजर है। इसका कारण है कि कहीं न कहीं कांग्रेस सरकार का तख्ता पलटने में सुवासरा सीट की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। यहां वैसे जीत के आंकड़े देखे जाएं तो भाजपा का पलड़ा भारी है। लेकिन, इस बार ग्रामीण क्षेत्रों के वोटरों का मौन फिलहाल किसी भी पार्टी को विजयी नहीं बता रहा। इधर तीन साल पहले उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी हरदीपसिंह डंग ने कांग्रेस प्रत्याशी राकेश पाटीदार को 29 हजार मतों से शिकस्त दी थी। कहीं न कहीं इस फासले को लेकर हरदीपसिंह डंग एंड कंपनी ऑल इज वेल महसूस कर रही है।

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में सुवासरा विधानसभा सीट एक अहम सीट है। सीट पर इस बार 83.52 प्रतिशत मतदान हुआ है और मतदाताओं ने प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद कर दिया है। अब सभी को इंतजार 3 दिसंबर का है, जब चुनाव परिणामों की घोषणा होगी। इन चुनावों में प्रदेश की सुवासरा विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने राकेश पाटीदार को चुनावी मैदान में उतारा है, तो बीजेपी ने हरदीप सिंह डंग को चुनावी मैदान में उतारा है। साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में, यानी पिछले विधानसभा चुनाव में इस विधानसभा सीट पर कुल 250621 मतदाता थे, और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार हरदीप सिंह डंग को 93169 वोट देकर विजयश्री प्रदान की थी, और विधायक बना दिया था, जबकि बीजेपी उम्मीदवार राधेश्याम नानालाल पाटीदार को 92819 मतदाताओं का भरोसा हासिल हो पाया था, और वह 350 वोटों से चुनाव हार गए थे।साल 2013 में हुए विधानसभा चुनाव में सुवासरा विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार हरदीप सिंह डंग ने जीत हासिल की थी, और उन्हें 87517 मतदाताओं का समर्थन मिला था। विधानसभा चुनाव 2013 के दौरान इस सीट पर बीजेपी उम्मीदवार राधेश्याम नानालाल पाटीदार को 80392 वोट मिल पाए थे, और वह 7125 वोटों के अंतर से दूसरे पायदान पर रह गए थे।साल 2008 में सुवासरा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार राधेश्याम नानालाल पाटीदार को कुल 66753 वोट हासिल हुए थे, और वह विधानसभा पहुंचे थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी हरदीप सिंह डंग दूसरे पायदान पर रह गए थे, क्योंकि उन्हें 59904 वोटरों का ही समर्थन मिल पाया था, और वह 6849 वोटों से चुनाव में पिछड़ गए थे।

कैसा है इतिहास...

सुवासरा विधानसभा सीट के राजनीतिक इतिहास की बात की जाए तो यह सीट 1962 में अस्तित्व में आई थी। इसके बाद से इस सीट पर अब तक 14 चुनाव हुए, जिसमें से 9 बार बीजेपी जीत चुकी है तो 5 बार कांग्रेस के खाते में यह जीत गई। 1998 के बाद कांग्रेस के हिस्से में यह सीट 2013 में आई थी, तब इस सीट से कांग्रेस के हरदीप सिंह डंग जीतकर आए।

42 किलो डोडाचूरा बरामद, एक गिरफ्तार

मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सरवानिया महाराज पुलिस चौकी टीम ने अल्टो कार से 42 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जब्त कर तस्कर को गिरफ्तार किया है।मुखबिर सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए शनिवार रात में आंकली रोड पर नाका बन्दी कर लाल रंग की कार (आरजे09सीए 2509) में अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा काले रंग के चार कट्टे में कुल 42 किलो डोडाचूरा बरामद कर आरोपी तालीम हुसैन पिता अल्लानूर पिन्जारा 50 वर्ष निवासी सरवानिया महाराज थाना जावद को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

खेत में मिला मगरमच्छ : गांधीसागर जलाशय में छोड़ा

मनासा, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मनासा उपवन मंडल क्षेत्र केखेड़ी गरासिया गांव में किसान के खेत पर मगरमच्छ आ गया। इससे खेत में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। दरअसल, मनासा उपवन मंडल के अधिकारी आरआर परमार और वन परिक्षेत्र अधिकारी शाश्वत द्विवेदी को डायल 100 से सूचना मिली थी कि हाड़ी पिपल्या और खेड़ी गरासिया गांव के पास एक खेत में विशालकाय मगरमच्छ है। इस पर अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लेते हुए एक रेस्क्यू टीम को मौके पर रवाना किया। रेस्क्यू टीम ने करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत कर मगरमच्छ को पिंजरे में कैद कर लिया। इसके बाद उसे गांधीसागर जलाशय में छोड़ दिया गया।इस मगरमच्छ की लंबाई करीब 7 फिट और वजन 30 किलो बताया गया। रेस्क्यू के दौरान रेस्क्यू टीम प्रभारी केसी वर्मा, बीट प्रभारी महेश पाटीदार, वाहन चालक प्रेम सिंह गौड़, डायल 100 पर तैनात कर्मचारी सहित ग्रामीण जन मौजूद रहे।

मामला 'ब' पर टीका बहना या बदलाव...!

मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव और मतगणना के बीच के ये दिन राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए कितने भारी होते हैं, यह तो उनके दिल से ही पूछो। चुनाव के बाद उम्मीदवार अपने आप को सहज दिखाने की कोशिश करते हैं। इन दिनों चूंकि शादियों के भी दिन शुरू हो गए हैं तो प्रत्याशी गण इन विवाह समारोहों में शामिल होते हैं। सबसे घुलते मिलते चेहरे पर मुस्कान लिए अपने आप को बिल्कुल सहज दिखाते हैं, ताकि किसी को उनके अंदर के तूफान का अहसास ना हो सके। शनिवार की रात नगर के कुछ विवाह समारोह में दोनों ही दलों के प्रत्याशी एक साथ देखे गए। अपने अंदर के तूफान को छिपा कर उस घड़ी को याद कर रहे होते हैं कि कब चुनाव परिणाम का दिन आए और जो भी हो जीत या हार की तस्वीर क्लीयर हो जाए। पल पल का ऊ

दर्द-ए-दिल

कुमार दशपुरी

हापोह तो खत्म हो जाए। सपने में कभी जीत का जुलूस दिखता है तो कभी हार की जिल्लत....! यही हालत हो रहे हैं चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के।

भारी मतदान के कारण सभी दिग्भ्रमित हैं। मतदान और मतगणना के दिनों में लंबी गैप हो तो यही सब कुछ होता है। लेकिन, इन सारी परिस्थितियों में चुनाव परिणामों को लेकर कई तरह के चर्चे हो रहे हैं। एक चौराहे पर यह बात हो रही थी कि सारा मामला 'ब' शब्द पर टिका हुआ है या तो ब से बहना और ब से बदलाव... इन चुनाव में दो ही मुद्दे ज्यादा चले हैं। भाजपा के एंगल से देखें तो लाड़ली बहना योजना के कारण जो माहौल महिलाओं में बना और उधर कांग्रेस के पक्ष में यदि इस चुनाव को देखा जाए तो बदलाव के माहौल से कांग्रेस सत्ता में आने के सपने देख रही है। अब बहनाएं कमाल दिखाएगी या बदलाव होगा, जो भी होगा असर ब का ही होगा। सुधी पाठक समझ ही गए होंगे। यहां बहना और बदलाव के मायने क्या हो सकते हैं। महिलाओं ने लाड़ लुटाया तो भाजपा की बल्ले-बल्ले हो सकती है और बदलाव की हवा चल गई तो समझो कांग्रेस की किस्मत खुल गई। मुफ्त में ही माल मिल जाएगा।

पशुपतिनाथजी को अन्नकूट का भोग अर्पित

51 प्रकार के मिष्ठान और अन्नकूट चढ़ाया, मंदिर आए भक्तों को मिला प्रसाद

मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। रविवार को प्रात: कालीन आरती मंडल द्वारा भगवान पशुपतिनाथजी को 51 प्रकार के मिष्ठान और अन्नकूट का भोग लगाया गया। भक्त मिठाई के साथ अन्नकूट थाल हाथों में लेकर नाचते गाते मंदिर पहुंचे। सुबह महादेव की आरती के साथ भगवान आशुतोष की भोग लगाया गया। प्रात:कालीन आरती मंडल के प्रवक्ता उमेश परमार ने बताया कि दीपोत्सव पर्व के बाद प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथजी को अन्नकूट का भोग लगाया गया है। इसमें 51 तरह के मिष्ठान और विभिन्न प्रकार की हरी सब्जियों से बना अन्नकूट शामिल है। प्रात:कालीन आरती मंडल के सदस्य हाथों में मिष्ठान और अन्नकूट के थाल लेकर मंदिर पहुंचे। मंदिर में आरती के साथ महादेव को अन्नकूट का भोग लगाया गया। आरती के बाद अन्नकूट और मिष्ठान का यह प्रसाद मंदिर में आए श्रद्धालुओं को वितरित किया गया।

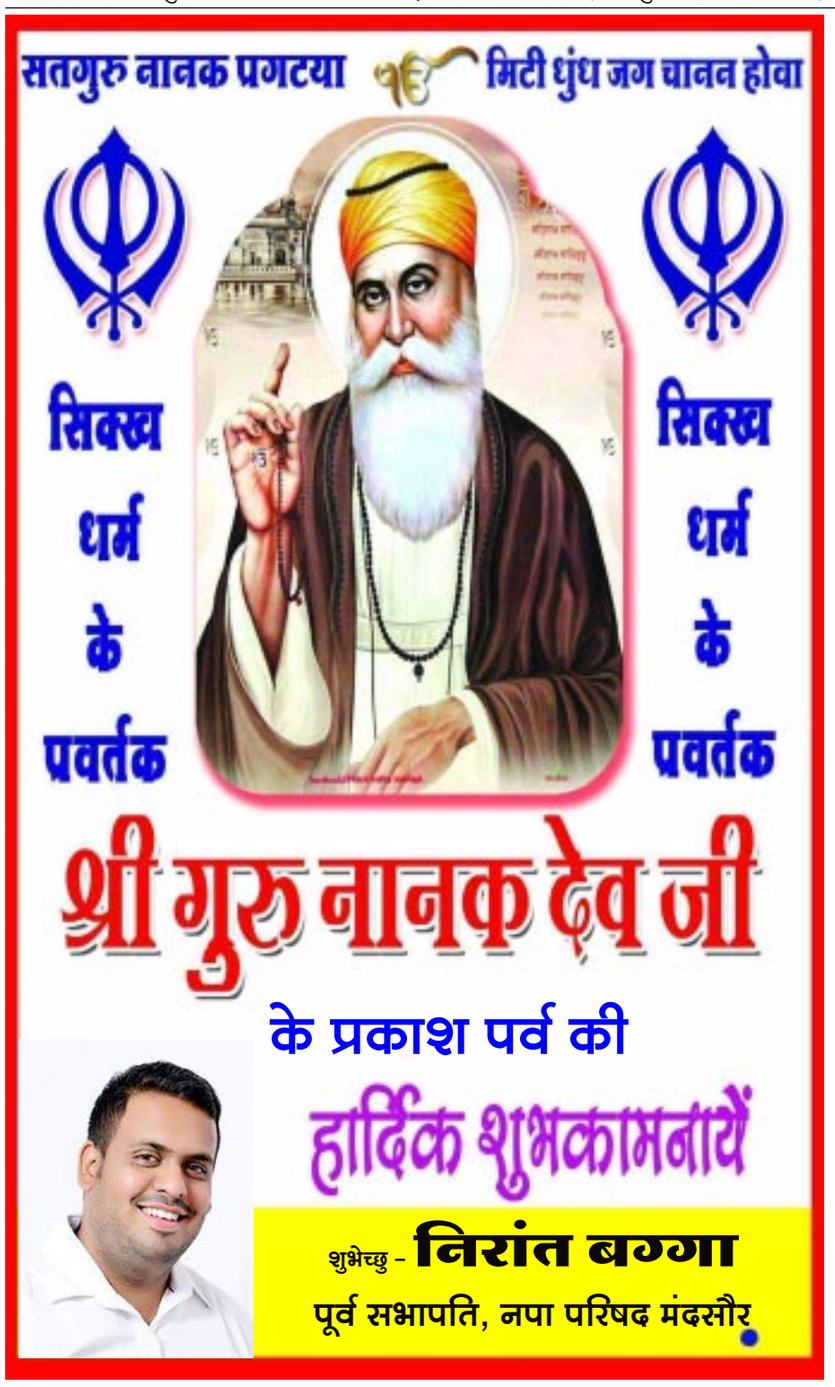

विचार-मंथन

भ्रामक सूचनाओं के प्रसार पर लगाम कसना

सूचना तकनीक के तीव्र प्रसार ने जहां एक तरफ बहुत सारी सुविधाएं प्रदान की हैं, वहीं कई चुनौतियां भी पेश की हैं। इस तकनीक का उपयोग बहुत सारे ऐसे लोग भी करने लगे हैं, जो समाज में अस्थिरता, नफरत, वैमनस्यता और उत्तेजना फैलाना या किसी को बदनाम कर सनसनी पैदा करना चाहते हैं। झूठी खबरों और सूचनाओं के चलते अनेक जगहों पर लोगों को उत्तेजित होकर भीड़ हिंसा करते भी देखा जा चुका है। ऐसी सूचनाओं पर लगाम कसने के लिए सरकार ने कड़े कानूनी उपाय किए हैं। मगर अब एक नई चुनौती के रूप में डीपफेक से फर्जी तस्वीरें बना कर इंटरनेट के सामाजिक मंचों पर साझा करने की प्रवृत्ति उभरी है। डीपफेक दरअसल कृत्रिम मेधा के जरिए किसी और के चेहरे पर किसी और का चेहरा चिपका कर नकली तस्वीर बनाने की विकसित कर ली गई एक तकनीक है। पिछले दिनों इस विधि से कुछ फिल्मी अभिनेत्रियों की भोंडी तस्वीरें बना कर सोशल मीडिया पर प्रसारित की गई थी, जिसे लेकर उन्होंने गंभीर आपत्ति दर्ज कराई थी। उस पर चर्चा चली तो प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी भी इसी तरह की गरबा करते एक तस्वीर फैलाई गई थी। डीपफेक की बढ़ती प्रवृत्ति पर उन्होंने चिंता जाहिर की थी। अब केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस तरह की तस्वीरें जारी किए जाने को लेकर गंभीरता दिखाई है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने सोशल मीडिया मंचों को संचालित करने वाली कंपनियों के साथ बैठक की और उन्हें ऐसी गतिविधियों की पहचान करने, उन पर रोक लगाने के उपाय तलाशने को कहा। मंत्री ने इसके लिए जल्द ही नए कानून बनाने की भी घोषणा की है। दरअसल, डीपफेक ही नहीं, पूरी कृत्रिम मेधा को लेकर रचनात्मक काम करने वालों में गहरी चिंता और क्षोभ देखा जा रहा है। इससे बौद्धिक संपदा में खुली सेंधमारी होने, फर्जी सूचनाओं, तस्वीरों और रचनात्मक, संवेदनशील विधाओं में भोंडी नकल की अराजकता पसरने का खतरा महसूस किया जाने लगा है। बहुत सारे लोग इसका रोजगार पर भी बुरा असर भांप रहे हैं। हालांकि कृत्रिम मेधा के चलन को पूरी तरह रोकने की हिमायत नहीं की जा सकती, क्योंकि विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में बदलती जरूरतों के मद्देनजर इसकी उपयोगिता असंदिग्ध कही जा सकती है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में इससे नई क्रांति की उम्मीद की जा रही है। मगर रचनात्मक कामों में इसका दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है। एक फर्जी और नकली रचनात्मक संसार पसरने लगा है। इसका सबसे अधिक दुरुपयोग समाज में विकृति पैदा करने वाले कर रहे हैं। इसलिए इस पर तत्काल लगाम लगाना वक्त की जरूरत है। किसी भी तकनीक का विकास इस मंशा से नहीं किया जाता कि समाज और मानव जीवन को विकृत किया जा सके, विद्रूप रचा जा सके। मगर कुत्सित और उपद्रवी मानसिकता के लोग उनका दुरुपयोग कर ऐसा माहौल बनाने का प्रयास करते ही हैं। कानून के भय से ही उन पर अंकुश लगाया जा सकता है। जब कृत्रिम मेधा को लेकर इतने बड़े पैमाने पर आशंकाएं जताई जा रही हैं और उसके दुरुपयोग के शुरुआती प्रभाव समाज पर दिखने शुरू हो गए हैं, तो निस्संदेह सरकार से इसके लिए एक प्रभावी नियामक तंत्र विकसित करने और कंपनियों को जवाबदेह बनाने की अपेक्षा की जाती है। अच्छी बात है कि सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्दी ही इसे लेकर समग्र रूप से व्यावहारिक कानून आएंगे, जिससे हर तरह की आशंका का शमन संभव हो सकेगा।

बिहार में 75 प्रतिशत आरक्षण, अब पूरे देश में इसकी होगी होड़!

अजीत द्विवेदी

बिहार सरकार ने आरक्षण में 15 फीसदी का इजाफा करते हुए एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी के आरक्षण को 50 से बढ़ा कर 65 फीसदी कर दिया है। इसमें पिछड़ी जातियों का आरक्षण 12 से बढ़ा कर 18 फीसदी, अत्यंत पिछड़ी जातियों का आरक्षण 18 से बढ़ा कर 25 फीसदी, एससी का 19 से बढ़ा कर 20 और एसटी का एक से बढ़ा कर दो फीसदी किया गया है। आरक्षण की सीमा बढ़ाने से पहले राज्य सरकार ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कराया, जिसे आम बोलचाल की भाषा में जाति गणना कहा गया। हाई कोर्ट की ओर से लगाई गई रोक हटाए जाने के बाद राज्य सरकार ने गणना का काम पूरा कराया और दो चरणों में उसके आंकड़े पेश किए। पहले दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के दिन जातियों के आंकड़े जारी किए और फिर सात नवंबर को शीतकालीन सत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास के आंकड़े पेश किए। इसके दो दिन बाद नौ नवंबर को आरक्षण बढ़ाने का प्रस्ताव दोनों सदनों से पास कराया। जाति गणना के आंकड़ों के मुताबिक बिहार में सबसे ज्यादा 36 फीसदी आबादी अत्यंत पिछड़ी जातियों की है। उसके बाद 27 फीसदी पिछड़ी जातियों की आबादी है। अनुसूचित जाति की आबादी करीब 20 फीसदी और अनुसूचित जनजाति की आबादी एक फीसदी है। हिंदू और मुस्लिम दोनों की सवर्ण आबादी 15 फीसदी से कुछ ज्यादा है। आरक्षण बढ़ा कर राज्य सरकार ने 27 फीसदी पिछड़ों के लिए 18 फीसदी और 36 फीसदी अत्यंत पिछड़ों के लिए 25 फीसदी आरक्षण कर दिया है। अनुसूचित जाति को उसकी आबादी के बराबर यानी 20 फीसदी आरक्षण दिया है तो अनुसूचित जनजाति को उसकी आबादी का दोगुना यानी दो फीसदी आरक्षण दिया है। आरक्षण बढ़ाने के लिए पास किए गए दोनों विधेयकों में इस बात का जिक्र किया गया है कि राज्य की आबादी के साढ़े 15 फीसदी सवर्णों के लिए 10 फीसदी ईडब्लुएस का आरक्षण लागू है। बिल में यह भी साफ किया गया है कि सवर्णों की आबादी और उनको मिले आरक्षण का अनुपात 64.5 फीसदी बनता है। यानी उनको आबादी के अनुपात में बहुत ज्यादा आरक्षण मिला हुआ है। आरक्षण की सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन भाजपा ने भी किया था और इसलिए राज्यपाल को मंजूरी देने में दिक्कत नहीं हुई। मंजूरी मिलने और कानून बनने के बाद अब राज्य सरकार चाहती है कि इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाए ताकि इसे कानूनी चुनौती नहीं दी जा सके। लेकिन फिलहाल ऐसा नहीं होगा। इसे कानूनी चुनौती मिलेगी। बिहार में आरक्षण बढ़ाए जाने का कानून बनने के बाद अब पूरे देश में इसकी होड़ बढ़ेगी। भाजपा विरोधी पार्टियों की राज्य सरकारें अपने राज्य में आरक्षण बढ़ाने का प्रयास शुरू करेंगी। चूंकि बिहार में राज्यपाल ने विधानसभा से पास विधेयकों को मंजूरी दे दी है इसलिए दूसरे राज्यों में राज्यपालो के लिए इसे रोकना मुश्किल होगा। इसकी शुरुआत झारखंड और छत्तीसगढ़ से हो सकती है, जहां पहले से आरक्षण बढ़ाने का बिल पास किया हुआ है। झारखंड सरकार ने पिछड़ी जातियों का आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ा कर 27 फीसदी, अनुसूचित जाति का आरक्षण 10 से बढ़ा कर 12 और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण 26 से बढ़ा कर 28 फीसदी करने का प्रस्ताव विधानसभा से पास कराया था। इस बढ़ोतरी के बाद इन तीन समूहों का आरक्षण 50 से बढ़ कर 67 फीसदी हो गया था। इसमें ईडब्लुएस का 10 फीसदी आरक्षण जोड़ने पर आरक्षण की कुल सीमा 77 फीसदी पहुंच गई थी। लेकिन राज्यपाल ने अटॉर्नी जनरल की सलाह पर इस साल अप्रैल में विधेयक को मंजूरी नहीं दी और उसे वापस लौटा दिया था। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भी राज्य सरकार ने आरक्षण बढ़ाने का विधेयक पास कराया था। छत्तीसगढ़ में सरकार ने पिछड़ी जातियों का आरक्षण 14 से बढ़ा कर 27 फीसदी और अनुसूचित जाति का आरक्षण 12 से बढ़ा कर 13 फीसदी करने का ऐलान किया था। सरकार ने अनुसूचित जनजाति का आरक्षण 32 फीसदी रहने दिया था और गरीब सवर्ण यानी ईडब्लुएस का आरक्षण घटा कर चार फीसदी कर दिया था। इस तरह राज्य में आरक्षण की कुल सीमा 76 फीसदी पहुंच गई थी। लेकिन वहां भी राज्यपाल ने विधेयक को मंजूरी नहीं दी है। इसलिए अभी 58 फीसदी आरक्षण लागू है। देश में ओबीसी, एससी और एसटी के लिए सर्वाधिक आरक्षण तमिलनाडु में है। नब्बे के दशक के शुरुआती दिनों में जब राज्य में जयललिता की सरकार थी उस समय तमिलनाडु में आरक्षण 69 फीसदी किया गया था और केंद्र की पीवी नरसिंह राव सरकार ने उस कानून को नौवीं अनुसूची में डाल दिया था, जिससे उसे कानूनी चुनौती नहीं दी जा सकी। इसी तर्ज पर बिहार सरकार भी आरक्षण बढ़ाने के कानून को नौवीं अनुसूची में डालना चाहती है। बहरहाल, बिहार में कानून को मंजूरी मिलने के बाद अब झारखंड और छत्तीसगढ़ में कानून को रोकना मुश्किल होगा। ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि नए सिरे से बिल पास करा कर उसे राज्यपाल के पास भेजने से पहले राज्य सरकारों को अलग अलग जातीय समूहों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का आंकड़ा जुटाना पड़े। झारखंड सरकार ने कहा भी है कि वह पिछड़ी जाति आयोग का गठन करके आंकड़े जुटाएगी। अगर बिहार की तरह सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण हो जाता है राज्य सरकारें आंकड़ों के आधार पर आरक्षण बढ़ाने का बिल पास कराती हैं तो उसे रोका नहीं जा सकेगा? सर्वोच्च अदालत ने भी महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के प्रस्ताव को इसी आधार पर खारिज किया था उनके पास मात्रात्मक यानी क्वांटिफायबल आंकड़े नहीं थे। मात्रात्मक आंकड़े आने के बाद इसे नहीं रोका जा सकेगा। क्योंकि इंदिरा साहनी केस में तय की गई आरक्षण की अधिकतम 50 फीसदी की सीमा टूट चुकी है। खुद सुप्रीम कोर्ट ने ईडब्लुएस आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका पर कहा था कि सरकारें जरूरत के हिसाब से सीमा बढ़ा सकती हैं। सो, चाहे झारखंड और छत्तीसगढ़ में पिछड़ों का आरक्षण बढ़ाने का मामला हो या महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मामला हो, सरकारें आरक्षण बढ़ाने का रास्ता पकड़ेंगी। यह राजनीतिक रूप से भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़े धर्मसंकट का मामला होगा।

क्या इस बार राजस्थान परंपरा तोड़ेगा या निभाएगा?

विजय विद्रोही

राजस्थान में चुनाव प्रचार का शोर थम गया है। वैसे इस बार शोर कम मचा अलबत्ता हो-हल्ला ज्यादा हुआ। नेताओं के भाषणों के स्तर में आ रही गिरावट यहां भी जारी रही। समूचा चुनाव गारंटियों पर आ टिका। यहां भी गैस सिलैंडर के दाम घटाने की होड़ चर्चा में रही। कांग्रेस की तरफ से अशोक गहलोत तो भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी का चेहरा सामने रहा। वोटरों की चुप्पी हैरानी में डालने वाली रही। मौजूदा विधायकों के खिलाफ नाराजगी देखी गई। यहां तक कि पार्टी कार्यकर्त्ताओं में उधार के सिंदूर यानी पैराशूट उम्मीदवारों के खिलाफ नाराजगी देखी गई। लेकिन इस बार एक नई बात देखी गई। अशोक गहलोत ने पहली बार खुद को माली (ओ.बी.सी.) बताया (हालांकि बगीचे की देखभाल करने वाले माली की तरह खुद की राजस्थान नाम के बगीचे के माली से तुलना की)। प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार अपने चेहरे की जगह कमल के फूल को भाजपा की पहचान बताया। कांग्रेस ने 7 ताजा गारंटियों के साथ चल रही अन्य गारंटियों को मुख्य चुनावी मुद्दा बनाया। इसके साथ ही चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना और पुरानी पैंशन स्कीम पर पूरा जोर दिया। चिरंजीवी योजना में मुफ्त इलाज की सीमा 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख करने को भुनाने की पूरी कोशिश की गई। गहलोत ने पहली बार अपनी योजनाओं को लेकर दबाव डाला। प्रधानमंत्री से उनकी योजनाओं को देश भर में लागू करने का अनुरोध किया गया। आखिरी दिनों में तो बाकायदा विज्ञापन छापे गए कि जनता सोच-समझ कर वोट दे नहीं तो चिरंजीवी योजना से लेकर ओ.पी.एस. बंद कर दी जाएंगी। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन खुद मोदी को भरोसा दिलाना पड़ा कि गहलोत की तमाम योजनाएं जिससे जनता को फायदा होगा, जस की तस लागू की जाएंगी। विज्ञापनों को लेकर विवाद में भी रहे गहलोत और कांग्रेस। भाजपा ने बाकायदा उसको लेकर शिकायत की और कांग्रेस को नोटिस तक जारी हुआ। उधर भाजपा का मुख्य मुद्दा गांधी परिवार की आलोचना से लेकर लाल डायरी और कांग्रेस के ध्रुवीकरण तक सिमटा रहा। वसुंधरा राजे सरकार की उपलब्धियां नहीं के बराबर गिनाई गई। यहां तक कि मोदी सरकार के साढ़े 9 साल के कामकाज का बखान देने से ज्यादा जोर कांग्रेस को आलोचना पर था। उदयपुर में पिछले साल कन्हैयालाल नाम के दर्जी की तलवार से गला रेत कर की गई हत्या को भुनाने में मोदी से लेकर अमित शाह और नड्डा पीछे नहीं रहे। जयपुर के परकोटे में मोदी का रोड शो भी उन इलाकों में किया गया जहां 2008 में सीरियल बम धमाके हुए थे। भाजपा की रणनीति यही रही कि हिंदुत्व के बहाने अपने वोट बैंक को एकाग्र रखा जा सके और मतदान केंद्र वोट डालने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को ले जाने के लिए प्रेरित किया जा सके। चुनाव प्रचार के दौरान मौजूदा विधायकों को अपने-अपने इलाकों में वोटरों की नाराजगी से दो चार होना पड़ा। इसमें कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा के मौजूदा विधायक भी शामिल रहे हालांकि ज्यादा संख्या कांग्रेस विधायकों की रही। दिलचस्प है कि कांग्रेस ने सिर्फ एक दर्जन विधायकों के ही टिकट काटे। भाजपा में यह संख्या 10 की रही। देखा गया कि कांग्रेस और भाजपा का कैडर कुछ जगह अपनी ही पार्टी के उस फैसले को पचा नहीं पाया जहां दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट थमा दिया गया। कांग्रेस में पहले 100 में से 60 के टिकट काटे जाने की चर्चा हो रही थी। फिर यह संख्या 40 पर आई लेकिन अंत में गहलोत और सचिन पायलट के समर्थक विधायकों को रिपीट कर दिया गया। गहलोत निर्दलीय विधायकों को भी टिकट दिलाने में कामयाब रहे जिन्होंने सचिन पायलट के मानेसर कांड के बाद सरकार को गिरने से बचाया था। एक तरफ टिकट पाने के लिए मारामारी रही तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के 3 नेताओं ने लाख मनुहार के बाद भी चुनाव लड़ने से मना कर दिया। टिकट काटने के फैसले में कांग्रेस उलझी रही और आखिरी दिन तक टिकट बांटने में लगी रही। चुनाव प्रचार के दौरान खास बात देखने को मिली कि वसुंधरा उन सीटों पर प्रचार करने के लिए नहीं गई जहां उनका समर्थक बागी के रूप में मैदान में था। यही हाल गहलोत का भी था जो मजबूत बागी के यहां पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार करने से दूर रहे। ऐसा बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं को लग रहा है कि अगर पार्टी 95-96 सीटें जीतती है तो समर्थक बागी मुख्यमंत्री बनाने में मदद कर सकते हैं। ऐसा 2018 में हो चुका है। हालांकि सर्वे भाजपा की जीत बता रहे हैं। सट्टा बाजार भी ऐसे ही इशारे कर रहा है। लेकिन दोनों दलों को फंसी हुई सीटों की चिंता सता रही है। चुनाव को कहीं-कहीं छोटे दलों और बागियों ने चुनाव को अटका दिया है ...भाजपा में कम से कम एक दर्जन बागी मजबूती से लड़ते दिखाई दे रहे हैं तो कांग्रेस में यह आंकड़ा 8 से 10 का बताया जा रहा है।

अगले साल लोकसभा चुनावों से पहले यूपी में दो और बड़े चुनावी मुकाबले होने हैं

उत्तर प्रदेश विधानसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के हिसाब से राज्यसभा से एक प्रत्याशी जिताने के लिए 37 वोट की जरूरत होगी। सपा के पास 109 और रालोद के पास 9 विधायक हैं। ऐसे में 118 विधायकों के साथ सपा कम से कम तीन सीटें जीतने की स्थिति में होगी। पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। अब 03 दिसंबर को नतीजे का इंतजार रहेगा। इसी के साथ हमेशा चुनावी मोड में रहने वाली भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस का भी ध्यान अब आम चुनाव पर लग गया है। लोकसभा चुनाव के लिए अब छह महीने से भी कम का समय बचा है। ऐसे में राजनैतिक दलों की सक्रियता को गलत भी नहीं कहा जा सकता है, लेकिन तैयारी की रेस में फिलहाल बीजेपी काफी आगे निकलती दिख रही है। उसने अभी से 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के लिए समीकरण साधना और पसीना बहाना शुरू कर दिया है। बीजेपी का सबसे अधिक फोकस 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश पर है, जहां पिछले दो लोकसभा चुनाव में मिली अपार सफलता के बल पर केन्द्र में मोदी सरकार बनना संभव हो पाया था। केंद्र की सत्ता पर काबिज होने की इस लड़ाई के बीच यूपी में दिल्ली और प्रदेश के उच्च सदन के लिए भी चुनावी बिसात सजेगी। बता दें कि राज्यसभा में उत्तर प्रदेश के कोटे की 10 सीटों का कार्यकाल आम चुनाव से पहले 2 अप्रैल, 2024 को खत्म हो जायेगा। वहीं, विधान परिषद में भी विधायक कोटे की 13 सीटें 5 मई को खाली हो जाएंगी। इसलिए, लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के साथ बीजेपी एवं अन्य दलों को इन सीटों का गुणा-भाग दुरुस्त करना पड़ेगा। यूपी कोटे की राज्यसभा की जो 10 सीटें खाली हो रही हैं, उसमें फिलहाल 9 सीटों पर भाजपा का कब्जा है। सपा से एक मात्र सीट जया बच्चन की खाली होगी। चुनाव आयोग अगले वर्ष मार्च में इसके लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर सकता है। वहीं, विधान परिषद में खाली हो रही 13 सीटों में 10 भाजपा, एक उसके सहयोगी अपना दल और 1-1 सपा और बसपा के पास है। 5 मई के पहले इन सीटों पर भी चुनाव प्रस्तावित है। बहरहाल, राज्य सभा की जो सीटें रिक्त हो रही हैं उसमें मार्च 2018 में 10 सीटों के लिए हुए राज्यसभा चुनाव में सपा ने जया बच्चन को उतारा था और वह चुनाव जीत गई थीं। साथ ही 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले मायावती से दोस्ती का हाथ बढ़ाने की कोशिश में लगी सपा ने बसपा उम्मीदवार भीमराव अंबेडकर को समर्थन दिया था। हालांकि, क्रॉस वोटिंग व संख्या गणित में भाजपा भारी पड़ी और उसने अपने 9 उम्मीदवार जिता लिए थे। सपा से जया बच्चन तो चुनाव जीत गई, लेकिन बसपा से भीमराव हार गए थे। 2022 के चुनाव के बाद विधानसभा के बदले गणित के चलते इस बार भाजपा के लिए सभी सीटों को बचा पाना मुश्किल होगा, जबकि सपा के पास राज्यसभा में संख्या बढ़ाने का मौका होगा। बता दें कि विधानसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के हिसाब से राज्यसभा से एक प्रत्याशी जिताने के लिए 37 वोट की जरूरत होगी। सपा के पास 109 और रालोद के पास 9 विधायक हैं। ऐसे में 118 विधायकों के साथ सपा कम से कम तीन सीटें जीतने की स्थिति में होगी। सत्तारूढ़ गठबंधन के पास कुल 279 (भाजपा-254, अपना दल (एस)-13, निषाद पार्टी-6, सुभासपा-6) विधायक हैं। ऐसे में 7 सीटों पर उसकी जीत लगभग तय है। इसके अलावा कांग्रेस के पास 2, जनसत्ता दल के पास 2 व बसपा के पास एक विधायक है। जनसत्ता दल का समर्थन आम तौर पर भाजपा को रहता है।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक-5067

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र.5066

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 5067

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत की सबसे बड़ी ताजे मीठे जल की झील जो जम्मू-कश्मीर में स्थित है (5)
6. कश्मीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
7. जो मौका न जाकर मल खाता हुआ गया हो (5)
9. एक तरह की बेल जो भोजन के साथ खाने में भी प्रयुक्त होती है (3)
10. योग्यतानुसार दिया गया दर्जा (2)
11. कोई व्यंग्यपूर्ण चुटीली बात (2)
12. झूमते या इतराते हुए चलना, झूलना झोंटा लेने (4)
14. जो स्वामी सहित हो (3)
16. माता सरस्वती का एक नाम (3)
18. वर्ष, बरस, भाव, जगह (2)
19. मक्का शरीफ की तीर्थ यात्रा को यह कहा जाता है (2)
20. यह महाराष्ट्र का प्रसिद्ध लोकनृत्य है (2)
21. असुर, राक्षस, दनुज (3)
22. नीलकमल, इंदीवर, कर्णपूर (4)

ऊपर से नीचे

1. लकड़हारा को अंग्रेजी में यह कहते है (5)
2. प्रबल अभिलाषा, गहरी चाह (3)
3. बहुत बड़ा प्राकृतिक जलाशय, बहुत बड़ा ताल (2)
4. लहराना, दहकना, धधकना (4)
5. वस्तु आदि की खरीदारी के लिए बात पक्की होना (5)
8. दंत, दांत (2)
11. सिर कुश शासक, अधिनायक (4)
13. उदासीन, मसलाई (4)
14. प्रतिध्वनि, फकीर की आवाज, हमेशा (2)
15. पृथ्वी पर विचरित होने वाले प्राणी (4)
17. विभावरी, रात्रि, यामवती, निशा, रात (3)
18. जिस पर कुछ लिखा न गया हो, कोरा (3)
20. क्षमा किया हुआ (2)

वर्ग पहेली 5066 का हल

मतगणना पर्यवेक्षकों व सहायकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

पांच कक्षों में होगी मतगणना- गणना स्थल पर मोबाईल वर्जित

नीमच, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन की उपस्थिति में रविवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में गणना पर्यवेक्षकों व गणना सहायकों को मतगणना प्रक्रिया संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर ने कहा, कि मतणगना कार्य एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है। मतगणना में किसी तरह की कोई गलती ना हो, इसलिए यह जरूरी है, कि मतगणना का कार्य सावधानीपूर्वक किया जाये। प्रशिक्षण में प्रजेन्टेशन के माध्यम से बताया गया कि, मतगणना के दौरान छोटी-छोटी बातों को भी गम्भीरता से लें, और उनका पालन सुनिश्चित करें। गणना के दौरान पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता बरते तथा निर्वाचन नियमों का अनुसरण करें। मास्टर ट्रेनर डॉ. राजेश पाटीदार ने मतगणना कार्य की ड्यूटी में लगे, अधिकारी सहायक स्टाफ को मतगणना निर्वाचनों का संचालन नियमानुसार विभिन्न विधिक उपबंध नियम-50 से 54 के 55 ग 80 से 88 तक लोक प्रतिनिधित्व व गणना सहायक के रूप में आने वाली कठिनाईयों को भी विस्तार से समझाया तथा उनकी शंकाओं का भी समाधान किया। प्रशिक्षण में डाले गए, मतपत्रों ईव्हीएम और वीवीपीएटी मशीन का प्रदर्शन कर, गणना के बारे में विस्तार से समझाईश दी।

मतगणना की प्रक्रिया समझाई – मास्टर ट्रेनर डॉ. राजेश पाटीदार ने ईव्हीएम में मतों की गिनती की प्रक्रिया को प्रशिक्षण प्रजेंटेशन के माध्यम से समझाया। मतगणना प्रशिक्षण में नियम 66 (क) द्वारा तीन नये नियम अर्थात 55 (ग) गणना पूर्व मशीनों की संविक्षा, 56 (ग) मशीनों द्वारा मतों की गणना 57 (ग) गणना उपरांत मशीन की सीलिंग से संबंधित जानकारी दी। प्रशिक्षण में गणना अभिकर्ता, हाल में बैठक व्यवस्था, गणना हॉल में प्रवेश का विनियन, रेण्डेमाईजेशन, डाकमत पत्रों की गणना अपेक्षित डाकमतपत्र पोस्टल बैलेट गणना उपरांत फार्मेट भरना जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं की विस्तार से जानकारी दी। डाक मतपत्रों की गणना के पश्चात ईव्हीएम में डाले गए, मतों की गणना प्रारम्भ होगी। गणना के प्रथम राउण्ड की सीयू की गणना समाप्त होने टेब्यूलेशन शीट तैयार होने व आरओ व ऑब्जर्वर के हस्ताक्षर होने के उपरांत दूसरे राउण्ड की सीयू गणना हेतु लाई जायेगी। काउंटिंग उपरात आयोग को भेजे जाने वाली जानकारी, राउण्डवार इव्हीएम से गणना राउण्डबार और तैयार, व्हीव्हीपीएटी पर्चियों की गणना, व्हीव्हीपीएटी पची सत्यापन प्रक्रिया की सूचना आरओ द्वारा प्रयाप्त समय पूर्व अभ्यर्थी अथवा उसके अभिकर्ता को लिखित में देकर पावती रखना डाक्त तम पत्रों का का पूर्न सत्यापन निर्वाचन का प्रमाण पत्र (प्ररूप 22) घोषणा की प्रतिया गणना उपरांत की कार्यवाही निर्वाचन की विवरणीय परूप 21 ड, आदि बिन्दुओं को प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से समझाया।

कुल 42 गणना टेबल होगी मतगणना– प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के मतों की गिनती 14-14 टेबलें मतगणना कार्य में लगेगी। इस प्रकार कुल 42 कर्मचारी गणना करेंगे। प्रत्येक गणनाकक्ष में एक-एक सहायक रिटर्निंग आफीसर भी तैनात किये गये है। इसके अलावा प्रत्येक गणना टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक मतगणना सहायक तथा एक माईक्रो आब्जर्वर भी तैनात रहेगे। गणना में लगे, सभी कर्मचारियों को मतगणना स्थल पर प्रात: 6 बजे उपस्थित होना होगा। इन कर्मचारियों का रेण्डमाईजेशन करने के लिए चुनाव प्रेक्षक एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रात: 6 बजे उपस्थित होकर यह कार्य सम्पन्न करेगे। कलेक्टर द्वारा प्रशिक्षित कर्मचारियों की सूची प्रेक्षक को दी जाएगी। एक सूची मतगणना पर्यवेक्षक की तथा दूसरी सूची मतगणना सहायकों की होगी। गणना पर्यवेक्षक और सहायकों को एक यूनिक सीरियल या कोड नम्बर भी आंवटित किया जाएगा। रेण्डमाईजेशन की प्रक्रिया चुनाव पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में होगी और इसकी रेकार्डिंग भी की जाएगी। गणना के लिए रिजर्व कर्मचारियों को भी नियुक्त किया जाएगा। प्रत्येक चक्र की गणना होने के उपरांत रिटर्निंग आफीसर दवारा सारणीकरण कर प्रास मतो का विवरण प्रेक्षक से प्रतिहस्ताक्षरित करने के बाद ही उद् घोषित किया जा सकेगा। प्रशिक्षण में निर्देश दिए गए कि गणना कार्य में संलग्न कर्मचारी सही रिपोर्ट करेगे।

मोबाईल रहेगें प्रतिबंधित– मीडिया कर्मियों से अपेक्षा की गई है, कि वे मतगणना स्थल पर स्थापित मीडिया कक्ष में ही उपस्थित रहे। फोटो ग्राफर वीडियो ग्राफर बारी-बारी से गणना कक्ष में लगे हुए, बेरिकेट्स के बाहर से फोटो कव्हरेज कर सकेगें। लेकिन किसी भी कक्ष में सामने एक साथ एकत्रित न.हो साथ ही वीडियोग्राफर किसी भी गणना कक्ष की लगातार शूटिंग न करें। सिर्फ अपना फुटेज लेकर हट जाए। मीडिया कक्ष में चक्रवार मतगणना की जानकारी उद्घोषणा के माध्यम से दी जाएगी। मीडिया कर्मियों से यह अपेक्षा है, कि मतगणना स्थल पर अनावश्यक भ्रमण नहीं करे। कलेक्टर श्री जैन ने बताया, कि गणना स्थल पर मोबाईल फोन नहीं ले जाया जा सकेगा। मतदान अभिकर्ता, मतगणना कर्मी अपने मोबाईल मतगणना स्थल पर नहीं लाए।

पीजी कॉलेज में संविधान की उद्देशिका का वाचन एवं ई-क्विज का हुआ आयोजन

मंदसौर, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने बताया कि संविधान दिवस के अवसर महाविद्यालय में शैक्षणिक स्टॉफ एवं विद्यार्थियों के समक्ष भारतीय संविधान की उद्देशिका का वाचन एवं 'भारतीय संविधान को आप कितना जानते हैं?' इस विषय पर ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. एल. एन. शर्मा ने महाविद्यालय में उपस्थित शैक्षणिक स्टॉफ, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक तथा विद्यार्थियों के समक्ष संविधान की उद्देशिका का वाचन किया और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि वर्ष 2015 से 26 नवम्बर को संविधान दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा की ओर से संविधान को अंगीकार किया गया था और 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान की उद्देशिका इसकी आत्मा है, जिसमें भारत राष्ट्र को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए कहा गया है। उसके समस्त नागरिकों को न्याय, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली तथा बंधुता बढाने के लिए विषय को कहा गया है, जिसके आधार पर भारत विश्व का सबसे बडा लोकतांत्रिक देश है। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अनिल कुमार आर्य के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने 'भारतीय संविधान को आप कितना जानते हैं?' इस विषय पर ऑनलाइन क्विज में भाग लिया एवं प्रमाणपत्र प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने यू.सी.ळ लिंक पर जाकर संविधान की उद्देशिका का वाचन किया और प्रमाणपत्र प्राप्त किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशासनिक डॉ. बी.आर. नलवाया, डॉ. एस.के. तिवारी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अनिल कुमार आर्य, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट प्रो. योगेश पटेल एवं प्रो. संजय पंवार, महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

दशपुर विद्यालय में गुरूनानक जयंती मनाई

मंदसौर, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय में आज सिख सम्प्रदाय के पहले गुरू गुरूनानक जी का जन्मोत्सव बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्र-छात्राओ ने नानक जी के जीवन पर आधारित कविता, गीत, भाषण आदि प्रस्तुत किए।

विद्यालय की छात्रा कु. अंशप्रीत कौर ने बताया कि नानकदेव बचपन से ही प्रखर बुध्दि के थे। भगवान की भक्ति, उन पर अटूट प्रेम व विश्वास के संबंध में इनके प्रश्नों के आगे इनके अध्यापकों ने हार मान ली तथा इनके पिताजी को दिए गए उत्तर में इनके अध्यापकों ने कहा कि

जो पूरे जगत को पढा दे भला उन्हें हम कैसे पढा सकते है ? नानक जी जीवन पर्यन्त सर्वधर्म समभाव के मार्ग पर चलते रहे एवं अपने अनुयायियों को भी यही सीख दी। यह पर्व सिखों का सबसे बडा व प्रमुख त्यौहार है। इसे प्रकाश पर्व के रूप में भी जाना जाता है। इस दिन प्रमुख गुरूद्वारो की आकर्षक रोशनी एवं विद्युत सज्जा की जाती है। प्रभात फेरी व जुलूस भी निकाले जाते है। इसी अवसर पर विद्यालय की छात्रा कु. कोमल पुनवानी ने गुरू की भक्ति व उन पर अटूट प्रेम व विश्वास के महत्व को बताते हुए अपने साथियों के साथ शब्द कितर्न करा। तबले पर संगत विद्यालय के संगीत अध्यापक तेजपाल बारेट ने की। विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रकाश पर्व की सभी को शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस, संस्था सुपरवाइजर हाकिमप्रसाद शर्मा सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित था।

दशपुर जागृति संगठन का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

मंदसौर, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। क्रांतिकारियों के लिए समर्पित देश का पहला संगठन दशपुर जागृति संगठन जिला इकाई मंदसौर द्वारा अपना 13वां दीपावली मिलन समारोह होटल मेघदूत में महालक्ष्मी एवं क्रांतिकारियों की तस्वीर की आरती करते हुए मनाया गया। इस दौरान संगठन के सभी उर्जावान साथियों ने मां लक्ष्मी के साथ क्रांतिकारियों की भी आरती उतारी और एक हाथ दीपक में लेकर देश में बढ रहे भ्रष्टाचार को मिटाने की शपथ ली और क्रांतिकारी विचारों को स्थापना करने का संकल्प भी लिया गया।

इस अवसर पर संगठन अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र पौराणिक ने कहा कि संगठन आज ज्ञानवानों से नहीं कर्मशिलों से चल रहा है और समाज के अंदर ज्ञानवानों की संख्या बढती जा रही है कर्मशील व्यक्ति नजर नहीं आते। संगठन के संरक्षण रविंद्र पांडे ने कहा कि यह देश का पहला संगठन है जिसने क्रांतिकारी के बलिदानों एवं विचारों को घर-घर पहुंचाया है ऐसा अद्भुत कार्य मंदसौर की धरा से शुरू हुआ है जिसका सबको गर्व होना चाहिए।

संगठन के वरिष्ठ सदस्य गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी नरेश त्रिवेदी ने कहा कि लगातार 13 वर्षों से संगठन जो चल रहा है इसको पोषित करने के लिए मजबूत करने के लिए जिन्होंने भी अपना धन लगाया है विश्वास मानिए यह एक महान क्रांतिकारियों के लिए अद्भुत पहल है। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा ने प्रत्येक सीने के उम्मर क्रांतिकारियों का बेच लगे उसके लिए धनराशि अपनी पेंशन से देने का संकल्प लिया। संगठन के वरिष्ठ सदस्य सी के बिश्नोई ने 11 हजार रू. की नगद राशि घर-घर क्रांतिकारी पहुंचने के लिए कार्यक्रम में घोषणा करते हुए कहा कि मुझे सौभाग्य मिला है कि घर-घर क्रांतिकारी के विचारों को पहुंचने के लिए यह राशि काम आएगी। ऑपरेशन करा कर लोट कर संगठन के कार्यक्रम में भागीदारी कर रहे सुनील बंसल परामर्शदाता को पुष्पमाला पहनकर उनका स्वागत अभिनंदन किया गया कि वह लगातार सेवा क्षेत्र में कार्य करते रहे। मातृशक्ति पूर्व पार्षद चंचल मंडेवरा ने कहा कि मुझे बडी खुशी है कि आज संगठन के साथ मिलकर दीपावली मिलन समारोह में भागीदारी करने का अवसर मुझे दिया गया। संगठन इंजीनियर आरसी पांडे, अरुण गौड, हरिनारायण टेलर, संगठन सचिव आशीष बंसल सभी ने संकल्प लेते कहा कि हम आने वाले समय में और तेजी से कार्य करेंगे लेकिन संगठन को कभी नहीं छोडेंगे। जिसकी हम आज शपथ लेते हैं।

अजाक्स द्वारा संविधान दिवस मनाया

मंदसौर, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। मप्र अजाक्स संगठन जिला मंदसौर द्वारा 26 नवंबर को प्रात: 9 बजे डॉ अंबेडकर चौराहे पर संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने महामानव, संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

अजाक्स जिला अध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किये तथा संविधान निर्माता बाबा साहब द्वारा राष्ट्र दिये गये योगदान को याद किया। इस अवसर पर अजाक्स के संभागीय उपाध्यक्ष जमनाप्रसाद अहिरवार, अजाक्स के संरक्षक हीरालाल मालवीय, अजाक्स जिला अध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सूर्यवंशी, प्रो.संदीप सोनगरा, वरिष्ठ जिला सचिव रघुवीर मालवीय, जिला सचिव पवन परिहार, जिला सचिव जगदीश खींची, जिला संयुक्त सचिव सुनील राठौर, जिला संयुक्त सचिव राकेश डांगी, जिला संयुक्त सचिव राधेश्याम देवडा, मंदसौर ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र गोयल, मंदसौर तहसील अध्यक्ष दिनेश सूर्यवंशी, मल्हारगढ ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र चौहान, अजाक्स जिला प्रवक्ता नितिन परमार, आकाश संगठन के पदाधिकारी चौनसिंह जमरा, राजू कटारा, मैसूल डामोर, बामसेफ जिला अध्यक्ष गोवर्धनलाल परमार, मदनलाल मालवीय, वरिष्ठ अधिवक्ता गणपत तेनिवार, जिला कार्यकारिणी वरिष्ठ सदस्य जीवराज डांगी, रघुनाथ पोखरवाल, विजय देवडा, दशरथ टांक, दिनेश सरेड, विपिन चरेड, कैलाश सूर्यवंशी, रामगोपाल चौहान, आदि अन्य सदस्यगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम का आभार जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सूर्यवंशी ने व्यक्त किया। उक्त जानकारी अजाक्स जिला प्रवक्ता नितिन परमार ने दी हैं।

साइडर फुटबॉल टूर्नामेंट में 4 टीमों ने प्रवेश किया, आज होगा फाइनल

मंदसौर, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। चंबल फुटबॉल क्लब (सीएफसी), मंदसौर द्वारा आयोजित गौरव गिरवाल स्मृति 7-साइडर फुटबॉल टूर्नामेंट के द्वितीय दिवस को प्रात: प्रथम मैच में साई फूटबाल क्लब (ए) ने फियरलेस धारियाखेडी की टीम को 3-0 से, द्वितीय मैच में चम्बल फूटबाल क्लब (बी) ने थंडर फुटबॉल क्लब को 1-0 से, तथा तृतीय मैच में ब्लैक टाइगर्स ने साई फुटबॉल क्लब (बी) को पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश के किया। रविवार के मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री श्री राजू चावला, पुलकित पटवा, भाजपा के जिला संयोजक (खेल प्रकोष्ठ) श्री विनय दुबेला, क्लब सचिव श्री ईश्वरसिंह चौहान, श्री परमानंद गिरवाल, श्रीमती तेजकुंवर गिरवाल, श्री रघुवीरसिंह मसराम, विपिन शर्मा, मुजम्मिल काजी, मुकेश कासट, दीपक शर्मा, दिलीप साधवानी, सुरेंद्र प्रताप सिंह, कमल कंडारे, प्रतीक रोखले, बाबू गुर्जर आदि सदस्य उपस्थित रहे। सेमी फाइनल, तृतीय स्थान और फाइनल के लिए मैच आज सोमवार को खेले जाएंगे।

डा.अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान दिवस मनाया

मंदसौर, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। संविधान दिवस के मौके पर मंदसौर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने अम्बेडकर चौराहा पर स्थापित बाबा अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान दिवस मनाया।

इस अवसर पर आई आई ई सी वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मुजफ्फर मंसूरी ने कहा कि देश की अखंडता एवं विविधताओं को संजोकर रखने वाले संविधान पर हमें गर्व है, हम संविधान दिवस के अवसर पर बाबा साहेब को सादर नमन करते है, उन्होंने संविधान के रूप में देश को अद्वितीय सौगात दी, जो हमारे लोकतंत्र का आधार स्तंभ है. कृतज्ञ राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा 'भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र की जीवन रेखा है' हम आज 74वें संविधान दिवस को मना रहे हैं, हम इसके निर्माताओं के प्रति श्रद्धा का भाव प्रकट करते हैं, क्योंकि उन्होंने हर एक भारतीय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी दी, इस मौके पर निडर युवा सेवा संस्था अध्यक्ष शेहजाद हुसैन, नन्द सेवा संकल्प समिति अध्यक्ष दयाराम पटेल, युनूस मंसूरी, वकील बंजारा, देवेंद्र पंडियार, सुनील परिहार, राजेश आदि मौजूद रहे।

पांच साल बाद पति को सामने देख पत्नी खूब रोई, फिर हंसते-हंसते साथ गई

मंदसौर, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। घर से लापता एवं विक्षिप्त महिलाओं को स्वजनों से मिलाने के सेवा कार्य में जुटी अनामिका सेवा समिति ने बरसों से अपनों से दूर एक ओर महिला को परिवार से मिला दिया। महाराष्ट्र के लातूर जिले के एक गांव से पांच साल पहले लापता हुई महिला जब शुक्रवार को सेवा समिति के कार्यालय कौशल्या धाम पर पति से मिली तो वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखों से खुशी के आंसू झलक पडे। पांच साल बाद पति को सामने देख पत्नी पहले तो खूब रोई और फिर दोनों हंसी-खुशी अपने घर के लिये रवाना हो गए।

सेवा समिति की संचालिका अनामिका जैन ने बताया की दो माह पहले वायडी नगर पुलिस को शहर में घुमती मिली एक महिला को सेवा समिति को सौंपा गया था। तब से ही उक्त महिला समिति कार्यालय कौशल्या धाम पर रह रही थी। महिला विक्षिप्त है लेकिन वह महाराष्ट्रीयन भाषा में कुछ बताने की कोशिश करती रही। अनामिका जैन ने बताया की उक्त महिला ने अपना नाम बालिका बताया। महिला जो बोल रही थी उसे गुगल से परिवर्तन कर समझने की कोशिश की गई, तब पता चला की महिला अपना पता महाराष्ट्र के लातूर जिले के गांव भूखी का बता रही है। इसके बाद अनामिका जैन व समिति सदस्यों द्वारा लातूर पुलिस कंट्रोल रूम पर चर्चा की और फिर गांव भूखी में किसी तरह संपर्क कर महिला के पति से चर्चा हुई। तब पता चला की महिला पांच साल से लापता है, परिवार गरीब होने के कारण उसे खोज नहीं सका न ही पुलिस से शिकायत की थी। महिला के पति परमेश्वर को महिला का फोटो भेजा गया तो वह पहचान गया की यह उनकी पत्नी बालिका है। वह अपने गांव से मंदसौर तक आ सके इतने रुपये भी उसके पास नहीं थे।

फर्जी कार्रवाई करना बन्द करें विद्युत वितरण कंपनी, अन्यथा होगा आन्दोलन-जोकचंद्र

पिपलियामंडी, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव होते ही प्रदेश की किसान विरोधी सरकार के इशारे पर विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को परेशान करना शुरु कर दिया है। उनकी विद्युत मोटर जब्ती में ली जा रही है व फर्जी केस बनाए जा रहे है। अपनी हार के डर से मंत्री के इशारे पर मल्हारगढ विधानसभा में किसानों को परेशान किया जा रहा है। बिजली कंपनी अनावश्यक रुप से किसानों को नही सताए, अन्यथा किसान हित में आन्दोलन कर विद्युत वितरण कपंनी का घेराव किया जाएगा। किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द्र ने आरोप लगाया कि वर्तमान में किसान सिंचाई कर रहे है, जिन्हें पर्याप्त बिजली नही मिल पा रही है। किसान जैसे-तैसे अपनी फसल को बचाने में लगा है, लेकिन बिजली कंपनी ने विधानसभा चुनाव होते ही

किसानों को परेशान करना शुरु कर दिया है, बिजली कंपनी के अधिकारी व कर्मचारी किसानों के खेत पहुंचकर कुए में लगी विद्युत मोटर जब्त कर रहे है व फर्जी केस बना रहे है। जोकचंद ने बताया कि घर के बिल बकाया होने पर घरों में लगी विद्युत मोटर भी जप्त की जा रही है। दुपहिया व चार पहिया वाहन जप्त किये जा रहे है। बिजली कंपनी उपभोक्ताओं को कोई सुविधा नही दे रही है। बिजली के बिल तो किसानों से मनमाने लिए जा रहे है, लेकिन ट्रांसफार्मर जलने पर काफी दिनों तक उन्हें बदला नही जाता है। ट्रांसफार्मर पर क्षमता से अधिक कनेक्शन देने के कारण वॉल्टेज सही नही मिलते है और किसानों की मोटरें जल जाती है। पोल गिरने व तार टूटने पर भी उन्हें ठीक नही किया जाता है। कई बार लोगो की मौत हो जाती है। कई उपभोक्ताओं के घरों पर छत केनजदीक होकर हाईटेंशन लाइन जा रही है, आये दिन लोग हादसों का शिकार हो जाते है। अव्यवस्थाओं व परेशानियों को लेकर बिजली कंपनी के अधिकारियों का कोई ध्यान नही है। दिवालिया हो चुकी बिजली कंपनी के पास स्थाई कर्मचारी नही साथ ही पर्याप्त संसाधन भी नही है। बिजली के पास तार तक नही है। कई गांव में किसान ट्रांसफार्मर के लिए इंतजार कर रहे है, कई वर्षों से बिजली कम्पनी ट्रांसफार्मर नही खरीद रही है। पुराने ट्रांसफार्मर को ही दुरस्त कर पुन: लगा दिए जाते है, जो कुछ दिनों बाद फिर जल जाते है। जोकचन्द्र ने चेतावनी दी कि विद्युत वितरण कंपनी किसानों को अनावश्यक रुप से परेशान नही करे, अन्यथा आन्दोलन किया जायेगा

एनसीसी इकाई ने मनाया स्थापना दिवस

मंदसौर, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। 75 वां एनसीसी स्थापना दिवस के अवसर पर पुनीत सागर अभियान की थीम पर डीजी एनसीसी के निर्देश पर तथा 21 एमपी बटालियन एनसीसी रतलाम के कमान अधिकारी कर्नल हर्ष सेठी एवं 5 मध्य प्रदेश स्वतंत्र कंपनी एनसीसी नीमच के कमान अधिकारी कर्नल रिजवान खान के मार्गदर्शन में मंदसौर एनसीसी इकाइयों द्वारा एनसीसी दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया यह कार्यक्रम मंदसौर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल तेलिया तालाब पर पुनीत सागर अभियान को लेकर मंदसौर की समस्त एनसीसी इकाइयों द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उत्कृष्टविद्यालय मंदसौर, लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल क्रमांक 2, सेंट थॉमस सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंदसौर, एडीफाई स्कूल मंदसौर के 400 छात्र सैनिकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश माननीय रघुवीर सिंह चुंडावत, विशेष अतिथि रक्षित निरीक्षक केपी सिंह तोमर, कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व अतिरिक्त कलेक्टर नरेंद्र सिंह राजावत ने की इस दौरान 5 म. प्र. स्वतंत्र कंपनी नीमच के सूबेदार

भवानी सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का एनसीसी अधिकारी योगेश पटेल शासकीय महाविद्यालय, ट्रूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया ट्रूप न 157, एनसीसी अधिकारी हरीश परिहार, टी ओ नरेंद्र जोशी, द्वारा अतिथियों का पुष्प हार से स्वागत किया गया कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने सरस्वती वंदना की गई स्वागत उद्बोधन एवं एनसीसी की गतिविधियों की जानकारी जिला एनसीसी अधिकारी विजय सिंह पुरावत द्वारा प्रदान की गई। अतिथि उद्बोधन में विशेष अतिथि रक्षित निरीक्षक केपी सिंह तोमर द्वारा एनसीसी कैडेट को ए, बी, सी, प्रमाण पत्र की उपयोगिता एवं एनसीसी के प्राप्त होने वाले लाभ की जानकारी कैडेट्स को दी गई, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्वानों न्यायाधीश रघुवीर सिंह चुंडावत द्वारा एनसीसी की स्थापना के उद्देश्य, एकता और अनुशासन ,तथा एनसीसी की स्थापना के अधिनियम की जानकारी छात्र सैनिकों को दी गई आपके द्वारा कैडेट्स को कई महत्वपूर्ण जानकारियां और समितियां के बारे में कानून की बारीक बारीक जानकारियां कैडेट्स को प्रदान की गई ताकि कैडेट्स उनका लाभ उठाकर भविष्य में अपने करियर को सवार सके तथा जीवन में एक अच्छे नागरिक बन सके कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व अतिरिक्त कलेक्टर नरेंद्र सिंह राजावत द्वारा एनसीसी के माध्यम से सामाजिक सेवा एवं प्रशासनिक सेवा में अपना करियर बनाने की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी की गतिविधियों में वर्ष भर संचालित होने वाली प्रतिस्पर्धा के बेस्ट कैडेट को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किये गए, हिमाचल ट्रैकिंग कैंप में मंदसौर का प्रतिनिधित्व करने वाली कैडेट राजनंदनी एवं पुष्पेंद्र सिंह द्वारा पंचमढी कैंप में भाग लेने पर तथा बटालियन के बेस्ट कैडेट गीतांश जैन और कारगिल की चोटी 18000 फीट पर तिरंगा लहराने वाली खुशी सिसोदिया, ट्रूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि कार्यक्रम मंदसौर के गौरव राजा यशोधर्मन की प्रतिमा के सामने पुष्पांजलि का कार्यक्रम अतिथियों और कैडेट्स के द्वारा किया गया छात्र सैनिकों द्वारा पुनीत सागर अभियान को लेकर एक जन जागरूकता रैली निकाली गई रैली को हरी झंडी मुख्य अतिथि माननीय रघुवीर सिंह चुंडावत एवं माननीय पूर्व अतिरिक्त कलेक्टर एन एस राजावत तथा आर आई साहब के.पी. सिंह एवं सूबेदार भवानी सिंह साहब द्वारा हरी झंडी देकर रैली को शहर के प्रमुख मार्गो से निकलकर पुन: तेलिया तालाब पर समाप्त हुई कार्यक्रम के अंत में एनसीसी कैडेट्स के द्वारा पुनीत सागर के तहत तेलिया तालाब के जल के आस-पास प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को एकत्रित कर नगर पालिका के वाहन में डाला गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों के सम्मान स्वरूप मंदसौर एनसीसी के द्वारा मोमेंटो प्रदान किए गए कार्यक्रम का संचालन जिला एनसीसी के प्रभारी विजय सिंह पुरावत ने किया एवं आभार प्रदर्शन हरीश परिहार के द्वारा व्यक्त किया गया इस कार्यक्रम के दौरान एनसीसी अधिकारी जितेंद्र कनौजिया एवं नरेंद्र जोशी विशेष रूप से उपस्थित थे इस दौरान 5 एमपी के सूबेदार मेजर भवानी सिंह का भी सम्मान अतिथियों के द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में एनसीसी गीत के साथ समापन हुआ।

बेटी के परिवार को कहा-साइलेंट अटैक आया

पति ने रोने का किया नाटक, शव ने बयां की पूरी कहानी

मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दलौदा में पिता के आवेदन पर पुलिस ने बॉडी को कब्र से बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम करवाया। पीएम रिपोर्ट और परिजन के बयान के आधार पर पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के 6 लोगों पर केस दर्ज किया है। पति और उसके छोटे भाई को 23 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में सामने आया है कि मां के साथ मिलकर पत्नी का उसी के दुपट्टे से गला घोंटने के बाद यह कॉल दामाद ने अपने ससुर को किया। वे परिवार के साथ पहुंचे तो बेटी का जनाजा उठने वाला था, उन्हें आखिरी बार बेटी का चेहरा तक देखने नहीं दिया। बॉडी जल्दी गल जाए इसलिए कब्र में ढेर सारा नमक और कपूर डाला गया। इसके तीसरे दिन पिता के पास एक वीडियो आया, जिसने मौत के राज से पर्दा उठा दिया।

मदारपुरा निवासी पिता ने दिया था आवेदन, निकाला कब्र से शव

मंदसौर के मदारपुरा में रहने वाले जहीर हुसैन 30 अक्टूबर को थाने पहुंचे। उन्होंने आवेदन दिया कि उनकी बेटी फरजाना (28) की उसके पति जावेद खान ने दहेज के लिए हत्या कर दी और शव दफना दिया। उन्होंने शव कब्र से निकालकर जांच करने की गुहार लगाई।पिता के आवेदन पर एसडीएम ने पुलिस को शव को कब्र से निकालने की अनुमति दी। अगले दिन नायब तहसीलदार रघुनाथ मचार की मौजूदगी में सोनगिरी कब्रिस्तान से शव को बाहर निकाला गया। पीएम के लिए मंदसौर लाया गया। डॉक्टरों ने शव की स्थिति को देखते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। यहां डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमॉर्टम किया।4 नवंबर को पिता जहीर, मां अकीला और बहन रुकसाना के बयान दर्ज किए गए। उन्होंने बताया- फरजाना की शादी 10 मई 2013 में सोनगिरी लालकुवा के जावेद खान से हुई थी। उसे एक बेटा (6) और बेटी (8) है। पति जावेद, सास रसीदा, ननद रुबीना, देवरानी बुलबुल, देवर इंजू और ससुर शहजाद उसे दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करते थे। मारपीट से परेशान होकर वह कई बार मायके आ जाया करती थी। इन सभी ने घटना वाले दिन मारपीट कर उसकी हत्या कर दी।

दामाद ने बेटी को मारकर रोने का नाटक किया

जहीर ने बताया- 28 अक्टूबर 2023 को मेरे पास दामाद का कॉल आया। बोला- फरजाना गश खाकर गिर गई है। वह बेहोश है, शायद उसे साइलेंट अटैक आया है। हम उसे नयाखेड़ा में डॉक्टर के पास लेकर जा रहे हैं। आप वहीं आ जाओ। मैं बाइक से निकला।सर्किट हाउस के पास पहुंचा ही था कि दामाद का फिर कॉल आया। बोला- हम उसे मंदसौर में कोठारी अस्पताल लेकर आ रहे हैं। मैं वापस घर लौटा और पत्नी को साथ लेकर कोठारी अस्पताल पहुंचा। वहां पता चला फरजाना नाम की कोई मरीज नहीं आई है। दामाद को कॉल किया तो उसने कहा- फरजाना की मौत हो गई है। हम शव गांव ले आए हैं। हम परिवार के साथ बेटी के ससुराल सोनगिरी पहुंचे।जहीर बोले- दामाद मुझसे लिपटकर रोने लगा। मैंने उसकी नौटंकी पर यकीन कर बेटी को सुपुर्द-ए-खाक करने की इजाजत दे दी। तीसरे दिन मेरे पास एक वीडियो आया। इसमें बेटी के गले में गहरे निशान दिख रहे थे। उसे देखकर लगा- या तो बेटी को गला दबाकर मारा गया है या फिर उसे फांसी पर लटकाया गया है।परिवार के साथ ही बेटी के गांव में कुछ परिचितों से बात की और उस दिन क्या हुआ था, पता लगाया। 30? अक्टूबर को दलोदा थाने में आवेदन दिया था। 31 अक्टूबर को कब्र से बॉडी निकाली गई। हम शव को लेकर गांव लौटे तो पीछे से कुछ लोग आ गए। वे मामले को दबाने में जुट गए। रतलाम मेडिकल कॉलेज में पीएम हुआ और 21 नवंबर को इसकी रिपोर्ट आई। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

विश्राम गृह में दस दिन तक रह सकते हैं...

पूर्व भी हो गए तो मजे

मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। 15वीं विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने में अब चंद दिन शेष हैं। तीन दिसंबर को मतगणना के बाद 16वीं विधानसभा के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। दिसंबर के पहले पखवाड़े में नई विधानसभा का गठन भी हो जाएगा। जो चुनाव जीत जाएंगे वे विधानसभा पहुंचेंगे, उन्हें विधानसभा सचिवालय राजधानी भोपाल में आवास सुविधा उपलब्ध कराएगी। इनमें विधायक विश्रामगृह सहित अन्य सरकारी आवास शामिल हैं। लेकिन जो चुनाव हार जाएंगे, उनके लिए भी विधानसभा सचिवालय ने व्यवस्थाएं की हैं।पूर्व विधायकों को भी भोपाल में ठहरने की व्यवस्था विधानसभा ने की है। उन्हें विधायक विश्रामगृह में आवास सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वे यहां माह में 10 दिन मुफ्त में रुक सकते हैं। लाभ लेने के लिए उन्हें तीन दिन में कम से कम एक दिन का गैप देना होगा। यदि वे बिना गैप के रुकते हैं तो तीन दिन फ्री और उसके बाद किराया लगेगा। गैप कर-करके तीन-तीन दिन रुकते हैं तो मुफ्त सुविधा मिलती रहती है। माह में छह दिन के लिए सुबह की चाय, नाश्ता भी फ्री है।

राजधानी से संपर्क

हारने के बाद भी कई पूर्व विधायक सक्रिय रहते हैं। राजनीति में रहने वाले नेताओं का राजधानी भोपाल से जीवंत संपर्क रहता है। काम-काज के लिए भोपाल आते रहते हैं। ऐसे में इन्हें रुकने की सुविधा से उन्हें बड़ा लाभ है।25 कमरे आरक्षित: पूर्व विधायकों के लिए विधानसभा सचिवालय ने विश्रामगृह के खंड दो में 25 कमरे आरक्षित रखे हैं। इनमें 5 कमरे पूर्व महिला विधायकों के लिए हैं। सभी कमरे सुसज्जित हैं।

परिचय पत्र अनिवार्य

विधायक विश्रामगृह में पूर्व विधायकों को रुकने लिए पूर्व सूचना अनिवार्य है। ऐसा इसलिए भी किया गया है जिससे उन्हें यहां कोई असुविधा न हो। आवास में रुकने के पहले उन्हें अपना परिचय पत्र बताना होता है, निर्धारित प्रोफार्मा में जानकारी भी भरना होती है। पूर्व विधायकों के साथ यदि परिजन या अन्य कार्यकर्ता इत्यादि होते हैं तो उन्हें उनके साथ रुकने की सुविधा मिल जाती है। निर्धारित से अधिक तक रुकने पर उन्हें शुरुआत में 100 रुपए प्रतिदिन और फिर 500 रुपए किराया देना होता है।

कर सलाहकार प्रकाशचंद्र डोसी पंचतत्व में विलिन

मंदसौर, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। नगर के प्रमुख समाजसेवी और कर सलाहकार प्रकाशचंद्र डोसी का दुखद निधन 26 नवम्बर 2023 रविवार को हो गया वे अल्प समय से अस्वस्थ्य चल रहे थे। उनके निधन की खबर सुनते ही उनके रिश्तेदारों, परिचितों, शुभचिंतकों में शोक की लहर छा गई। क्योंकि श्री डोसी मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे और कर सलाहकार के क्षेत्र में लम्बे समय से कार्य कर रहे थे इस क्षेत्र में उनकी अपनी एक अलग छवि थी।

रविवार को उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास तिरूपति नगर मंदसौर से प्रात: 11 बजे निकाली गई। मुक्तिधाम पर उनके पुत्र सीए प्रतिक डोसी और पौत्र मनिकेश डोसी एवं अन्य रिश्तेदारों ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस अवसर पर जिनेन्द्र कुमार डोसी, अशोक कुमार डोसी, शांतिलाल डोसी, दिलीपकुमार, डोसी, राजेश डोसी, मुकेश डोसी, मोहन रामचंदानी, कोमल बाफना, महेन्द्रसिंह गुर्जर, मोहन मेघनानी, नरेश चंदवानी, मंगेश संघई, रिंकू भूता, विजय चपरोत, संजय मुरडिया, अभिनंदन भाचावत, विकास पामेचा, अंकुश कोठारी, विनोद कुकडा, दीपक सिंह गुर्जर, मंगेश भाचावत, संजय लोढा, संदीप धींग, राकेश डोसी, लोकेन्द्र जैन, सीए अंकुश जैन, सौधर्म डोसी, अर्पित डोसी, हरिश विजयवर्गीय, सौरभ डोसी, कमलेश जैन, हिम्मत लोढा, दिलिप रांका, मोहन कुमावत, सुरेन्द्र जैन योगगुरू, नरेन्द्र जैन अन्ना, यशपाल बाफना, अरविन्द कागला, अकित माहेश्वरी सहित बडी संख्या में लोगों ने मुक्तिधाम पहुंचकर श्री डोसी को अंतिम विदाई देते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किये।

बदला रहा मौसम का मिजाज, ठंड का असर बढ़ा, गरम कपड़ों में लिपटे रहे लोग...

कई जगहों पर मावठे की बारिश, मौसम में घुली ठंडक

मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। रविवार को मौसम बदला रहा। सुबह से ही मौसम का मिजाज गड़बड़ाता रहा। बादलों से आसमान पटा रहा। मौसम में ठंड घुल गई। जिले में कई जगहों पर बारिश हुई, रात्रि में शहर में तेज बारिश हुई। इससे मौसम और ठंडा हो गया। रविवार को सूर्यदेव के दर्शन को लोग तरस गए। बता दें कि वेदर डिस्टर्बेंस, ट्रफ लाइन और चक्रवाती हवाओं के घेरे से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया है। इसके चलते जिले में रविवार सुबह से ही मौसम में बदलाव आया। सुबह से ही बादल छाए हुए हैं इससे तापमान में भी गिरावट आई है। अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास पहुंच गया। इसके बाद दोपहर में कहीं तेज तो कहीं बूंदाबांदी के रूप में बारिश हुई। मंदसौर के अलावा दलौदा, मल्हारगढ़ सहित जिले में कई जगहों पर तेज तो कहीं बूंदाबांदी के रूप में बारिश रात तक चलती रही। इससे मौसम ठंडा हो गया। ठंड का असर और ज्यादा बढ़ने के बाद लोग ऊनी कपड़ों में नजर आए।

मौसम विभाग ने अगले 4 दिन प्रदेश में तेज हवाओं के साथ बारिश, ओलावृष्टि की संभावना जताई है। जिले में आज और कल बारिश अनुमान है। दो दिन बाद यह सिस्टम प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र में शिफ्ट करेगा। इसके बाद सर्दी का असर बढ़ेगा।मौसम जानकारों के अनुसार वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो गया है। वहीं अरब सागर के ऊपर चक्रवाती हवाओं का घेरा बना है। ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। इस कारण सिस्टम और स्ट्रॉन्ग होगा। इसका असर पश्चिमी हिस्से में ज्यादा रहेगा। इस दौरान ओले भी गिर सकते हैं।

भारत सरकार चीन में रहस्यमय बीमारी से अलर्ट

राज्यों को पत्र लिख कहा- सतर्कता बढ़ाएं, तैयार रहें

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। हाल के हफ्तों में उत्तरी चीन में बच्चों में सांस की बीमारी में वृद्धि का संकेत देने वाली हालिया रिपोर्टों के मद्देनजर, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अत्यधिक सावधानी के तौर पर श्वसन संबंधी बीमारियों के खिलाफ तैयारियों के उपायों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। मौजूदा इन्फ्लूएंजा और सर्दी के मौसम को देखते हुए इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप सांस संबंधी बीमारी के मामलों में वृद्धि हो रही है। भारत सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और संकेत दिया है कि किसी भी अलार्म की जरूरत नहीं है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव द्वारा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लिखे एक पत्र में, उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल की तैयारी के उपायों की तुरंत समीक्षा करने की सलाह दी गई है। एचआर, अस्पताल के बिस्तर, इन्फ्लूएंजा के लिए दवाएं और टीके, मेडिकल ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण की उपलब्धता, परीक्षण किट ऑक्सीजन संयंत्रों और वेंटिलेटर की कार्यक्षमता, को दुरुस्त रखने को कहा है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस साल की शुरुआत में साझा किए गए कोविड-19 के संदर्भ में संशोधित निगरानी रणनीति के लिए परिचालन दिशानिर्देश को लागू करने की सलाह दी गई है, जो इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) के मामलों के रूप में पेश होने वाले गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) श्वसन रोगजनकों की एकीकृत निगरानी प्रदान करता है। उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है कि एकीकृत रोग निगरानी परियोजना (आईडीएसपी) की जिला और राज्य निगरानी इकाइयों द्वारा विशेष रूप से बच्चों और किशोरों में आईएलआई/एसएआरआई के रुझानों की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए। ILI/SARI का डेटा विशेष रूप से मेडिकल कॉलेज अस्पतालों सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों से IDSP- IHIP पोर्टल पर अपलोड किया जाना आवश्यक है। राज्यों ने श्वसन रोगजनक़ों के परीक्षण के लिए डअठ्ख वाले रोगियों, विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के नाक और गले के स्वाब के नमूनों को राज्यों में स्थित वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरीज (वीआरडीएल) में भेजने के लिए भी कहा।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तीन आतंकी सहयोगी गिरफ्तार

जम्मु, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। सुरक्षाबलों ने बारामूला जिले में प्रतिबंधित कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तीन आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इन आतंकी सहयोगियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार गोला बारूद और आपत्तिजनक सामग्री बरामद किया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बारामूला जिले में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सहयोगी द रेजिस्टेंस फ्रंट नामक संगठन (टीआरएफ) के तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से हथियार, गोला-बारूद और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया कि कल शनिवार को झूला फुट ब्रिज के पास कलगाई में 13 सिखली, 185 बीएन बीएसएफ और बारामूला पुलिस के साथ संयुक्त जांच और गश्त के दौरान कमलकोट से राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर बैग लेकर आ रहे दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका गया। संदिग्धों की पहचान मडियन कमलकोटे के निवासी ज़मीर अहमद खांडे और मोहम्मद नसीम खांडे के रूप में हुई।

बड़ी घटना को देने वाले थे अंजाम–आगे जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान इनके पास से तीन चीनी ग्रेनेड और करीब ढाई लाख रुपये की नकदी बरामद हुई। अब इस मामले में पुलिस स्टेशन उरी में उन पर कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि ये अवैध रूप से हासिल किए गए ग्रेनेड और नकदी उन्हें मेडियान कमलकोटे के निवासी मंजूर अहमद भट्टी ने उपलब्ध कराई थी, ताकि वे किसी भी आतंकवादी घटना को अंजाम दे सकें। इसके बाद मंजूर अहमद को गिरफ्तार करके पूछताछ की गयी। उसने पूछताछ के दौरान बताया कि आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए इन व्यक्तियों को अवैध रूप से प्राप्त ग्रेनेड और नकदी की उसने आपूर्ति की है और अपने घर के पास अपने परिचित स्थान पर एक हथगोला और नकदी भी रखी है।

बारात में नाचने के दौरान विवाद, युवक की हत्या

रतलाम, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर ग्राम दिवेल में बरात में चाकू लहराकर नाचने से मना करने की बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया।विवाद के चलते कुछ देर बाद आरोपित पक्ष ने जिस घर बारात आई थी उसके दामाद को एक रेस्टोरेंट के पास बुलाकर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वहीं पत्थर मारने से मृतक का साथी घायल हो गया। हत्या करने के बाद हमलावर भाग निकले, पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार सैलाना थाना क्षेत्र के ग्राम दिवेल में मीराबाई पत्नी दिलीप की छोटी पुत्री की शनिवार को शादी थी। उज्जैन जिले के ग्राम राजपुर थाना भाटपचलाना से बरात आई थी। रात में बारात निकल रही थी, जिसमें बरात में आया आरोपित सूरज पुत्र गेंदालाल दायमा निवासी ग्राम शिवपुर थाना बिलपांक चाकू लहराकर नाच रहा था। मीराबाई के बड़े दामाद 23 वर्षीय नरेंद्र पुत्र जगदीश राठौर ने उससे कहा कि चाकू लहराकर मत नाच किसी को चोट लग जाएगी तो वह विवाद करने लगा। जब सूरज को बरात से भगा दिया तो वह दो अन्य साथियों जितेंद्र पुत्र रामचंद्र और भोला पुत्र रामाजी के साथ दूर जाकर खड़ा हो गया। बारात वापस लौटने लगी तो आरोपितों ने बारात में शामिल मनोज डावर पर पत्थर फेंके, इससे वह घायल हो गया। उसने नरेंद्र को घटना की जानकारी दी। तब तक आरोपित वहां से निकल चुके थे। नरेंद्र ने फोन कर आरोपित भोला से घटना के संबंध में चर्चा की तो भोला ने उसे कहा कि ग्राम धामनोद में मां कालका रेस्टोरेंट के पास खड़े है, वहीं पर आ जा। रात करीब डेढ़ बजे नरेंद्र रेस्टोरेंट के पास पहुंचा तो वह तीनों आरोपित उसे मिले। बात करने के दौरान उनके बीच विवाद की स्थिति बन गई। इस दौरान आरोपित भोला व जितेंद्र ने नरेंद्र को पकड लिया और सूरज ने नरेंद्र के पेट में चाकू घौंप दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया तो आरोपित वहां से भाग निकले। नरेंद्र को मेडिकल कालेज ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित किया गया। उधर, नरेंद्र के साथी मनोज को मेडिक्ल कालेज में भर्ती कराया गया। सुबह छुट्टी लेकर मनोज भी घर चला गया।

खुशी का माहौल मातम में बदला– जिस घर पर शादी की खुशी का माहौल था, उस घर के दामाद की हत्या होने से वहां मातम छा गया।रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर नरेंद्र का शव उसके स्वजन को सौंप दिया। वे शव अंतिम संस्कार के लिए उसके पैतृक गांव राजपुर ले गए और दोपहर में उसका अंतिम संस्कार किया।

आरोपितों की तलाश में दल भेजा–आरोपित सूरज, भोला व जितेंद्र के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। आरोपितों की तलाश के लिए एक दल ग्राम शिवपुर भेजा गया गया। आरोपितों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अय्यूब खान, थाना प्रभारी सैलाना

अवैध उत्खनन पकड़ने गए पटवारी को रेत माफिया ने ट्रैक्टर से कुचला, स्पॉट पर मौत

अवैध उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई करने गए थे पटवारी, वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हुआ ट्रैक्टर चालक

भोपाल, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। प्रशासन की तमाम सख्तियों और लगातार कार्रवाईयों के बावजूद मध्य प्रदेश के रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। आलम ये है कि यहां रेत का अवैध उत्खनन थमने का नाम नहीं ले रहा है। माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि ये कार्रवाई करने वाले अधिकारियों तक की जान लेने में गुरेज नहीं कर रहे हैं। ताजा मामला सूबे के शहडोल जिले से सामने आया है, जहां रेत माफिया ने अवैध उत्खनन रोकने गए पटवारी को ट्रैक्टर से कुचलकर मार दिया है।

वारदात को अंजाम देने के बाद बेखौफ रेत माफिया अपना ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार भी हो गया। फिलहाल, पुलिस अब इस मामले की जांच में जुट गई है। आपको बता दें कि ये दिल दहला देने वाली घटना जिले के अंतर्गत आने वाले देवलोंद थाना इलाके के गोपालपुर से गुजरने वाली सोन नदी की है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात को पटवारी प्रसन्न सिंह अपने साथियों के साथ रेत का अवैध उत्खनन रोकने गोपालपुर स्थित सोन नदी के घाट पर पहुंचे थे। इस दौरान मौके पर कार्रवाई करते हुए पटवारी प्रसन्न सिंह ने रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन करते एक ट्रैक्टर को पकड लिया था। इस दौरान रेत माफिया ने कार्रवाई से बचने के लिए पटवारी के ऊपर ही ट्रैक्टर चढ़ा दिया। बताया जा रहा है कि रेत से भरे ट्रैक्टर का टायर सिर पर चढ़ने से पटवारी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रेत माफिया ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। पटवारी प्रसन्न सिंह ब्यौहारी के खड्डु में पदस्थ थे। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरु कर दी है। बता दें कि जिले के अंतर्गत आने वाले नरवार, पटासी, सोन टोला, बटली घाट समेत अन्य जगहों पर बेखौफ धड़ल्ले से रेत माफिया रेत का अवैध उत्खनन कर रहे हैं। वहीं इसे रोकने के लिए कांग्रेसियों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है। रेत का अवैध उत्खनन रोकने और रेत माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

✻ उठावना ✻

अत्यंत दुख के साथ सुचित करने में आता है की मेरे छोटे भाई एवं स्व.मोड़ीराम जी डपकरा(धतुरिया वाला)के पुत्र रामलाल, सुखलाल के काकाजी एवं पंकज, अनिल पोरवाल के पूज्य पिताजी, मीत पोरवाल के दादाजी श्री मोहन लाल जी डपकरा(गायत्री मोटर्स)का श्रीजी शरण दिनांक 26नवम्बर 23 रविवार को हो गया है। जिनका उठावना दिनांक 27नवम्बर 2023 सोमवार को दोपहर 2 बजे स्थान-पोरवाल छात्रावास तेलिया तालाब के पास रामटेकरी मन्दसौर पर रखा गया है ।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
मांगीलाल डपकरा
धतुरिया वाला, मन्दसौर

महाविद्यालय में संविधान दिवस मनाया

पिपलियामंडी, 26 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय पिपलिया में संविधान दिवस मनाया। मुख्य वक्ता प्रो गोविंद तंवर ने संविधान की रूपरेखा, कर्तव्य एवं अधिकार की व्याख्या की। विशेष रूप से यह बताया कि हमारा संविधान विश्व में सबसे महत्वपूर्ण संविधान कैसे है ? प्राचार्य आरके श्रीवास्तव ने गौरव दिवस पर छात्रों को एक बार संविधान पूरा पढ़ने का अनुरोध किया। संक्षिप्त परिचय एवं प्रस्तावना के रूप में डॉ. डीएल बामनिया ने संविधान हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है और इसका क्या महत्व है, पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्राध्यापक जेसी पंवार, डीसी बोरीवाल, दयानंद पाटीदार, चंद्रकला चौहान ममता चौहान, राजीव चौहान, अरुण नरगावे, कल्पना देवड़ा, विजय शर्मा, पूजा जाटव आदि उपस्थित रहे। संचालन कन्हैयालाल लोहार ने किया। आभार सचिन कारपेन्टर ने माना।

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 26.11.2023

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मुकेश कुमार पिता मदनलाल जाति कलाल, निवासी ग्राम बघुनिया तहसील शामगढ़ जिला मंदसौर द्वारा मकान जो कि ग्राम बघुनिया तहसील शामगढ़ जिला मंदसौर को विधिवत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक 573 दिनांक 10.10.2014 मदनलाल पिता उदयराम जाति कलाल, निवासी ग्राम बघुनिया तहसील शामगढ़ जिला मंदसौर से क्रय किया था। उक्त मकान की चर्तुसीमा निम्नवत है -

पूर्व में -पार्वतीबाई पति मोहनलाल का मकान, पश्चिम में - दयाराम पिता उदयराम का मकान, उत्तर में- रामचन्द्र पिता रतनलाल का मकान, दक्षिण में - रोड, कुल क्षेत्रफल - 900 वर्गफीट या 83.64 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर मुकेशकुमार पिता मदनलाल जाति कलाल, निवासी ग्राम बघुनिया तहसील शामगढ़ जिला मंदसौर द्वारा एचडी बी. फायनेशियल सर्विसेस लिमिटेड शाखा शामगढ़ जिला मन्दसौर से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 3 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

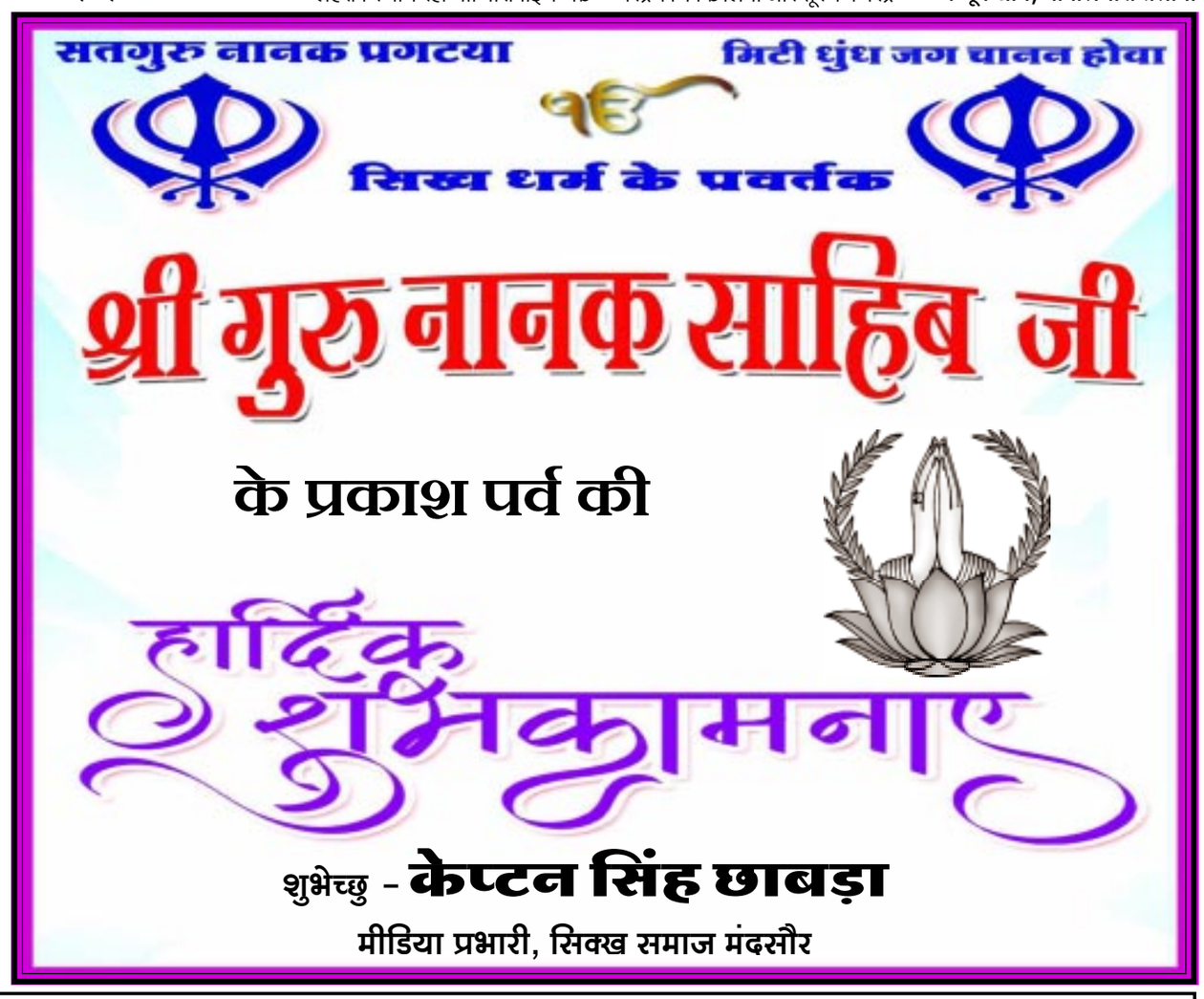

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in